श्रमिकों के बालकों पर ऑनलाइन शिक्षा के प्रभाव का अध्ययन

निर्देशिका **प्रस्तुतकर्त्री**

डा. भारती शर्मा रेखा शर्मा

(असिस्टेंट प्रोफेसर) (एम.एड.छात्रा)

सारांश

वर्तमान समय में जब कोरोना के कारण जब समस्त स्कूल –कालेज व शिक्षण संस्थान बंद कर दिए गए तो सरकार द्वारा सभी क्षेत्रों में ऑनलाइन शिक्षा की व्यवस्था की गई लेकिन जब हम श्रमिकों की बात करते है तो उन लोगों के लिए दो वक्त का खाना भी मुश्किल है, लोगों को अपने बालकों को ऑनलाइन शिक्षा दिलाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड रहा है । इसी कारण शोधकर्त्री ने श्रमिकों के बालकों पर ऑनलाइन शिक्षा के प्रभाव का अध्ययन **"श्रमिकों के बालकों पर ऑनलाइन शिक्षा के प्रभाव का अध्ययन"** के अन्तर्गत शोध कार्य किया । इस शोधकार्य को जयपुर जिले के शहरी श्रमिकों के 300 बालक तथा ग्रामीण क्षेत्र के 200 पर किया गया तथा शोध अध्ययन के उपरान्त यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि शहरी क्षेत्र के बालकों की मानसिकता पर ऑनलाइन शिक्षा का प्रभाव ग्रामीण क्षेत्र के श्रमिकों के बालकों से अधिक है ।

मूल शब्दः जयपुर जिला, ग्रामीण क्षेत्र के श्रमिकों के बालक, शहरी क्षेत्र के क्षमिकों के बालक, ऑनलाइन शिक्षा, मानसिकता , प्रभाव आदि ।

1. प्रस्तावना

प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में शिक्षा का सबसे अधिक महत्व होता है और उसका कैरियर भी शिक्षा पर आधारित होता है । शिक्षा के द्वारा ही इंसान का भविष्य उज्जवल बनता है । यदि कोई व्यक्ति अपनी शिक्षा किसी कारणवश जारी नहीं रख पाता है, तो उसके लिए ऑनलाईन शिक्षा हासिल करना बेहतर विकल्प है । इस डिजीटल शिक्षा प्रणाली के अन्तर्गत वह अपने घर में बैठकर अध्ययन कर सकता है ।

ऑनलाइन शिक्षा का महत्व उस समय काफी बढ़ जाता है जब किसी प्रकार की आपदा के कारण स्कूल, कॉलेज एवं शिक्षण संस्थान बंद हो जाते है । ऐसे में छात्रों की शिक्षा ऑनलाइन माध्यम की सहायता से जारी रखी जा सकती है ।

इसी प्रकार वर्तमान समय में कोरोना वायरस के कारण जब सरकार ने समस्त स्कूलों व शिक्षण संस्थानों को अनिश्चित काल के लिए बंद कर दिया तो भारत समेत कई देशों में ऑनलाइन शिक्षा को प्रोत्साहन दिया गया ।

हालांकि ऑनलाइन शिक्षा की परिकल्पना कोई नई नहीं है, लेकिन पहले इसे गम्भीरता से नहीं लिया जाता था परन्तु लॉकडाउन के कारण तेजी से इसका उपयोग बढ़ा और स्कूल न जा सकने वाले विद्यार्थी वर्चुअल रूप से अपनी पढ़ाई को फिर से जारी रख सके । यदि शिक्षा का यह माध्यम नहीं होता तो यकीनन करोड़ो बच्चों की पढ़ाई बीच में ही छूट जाती ।

लेकिन ऑनलाइन शिक्षा की बात हम उन बालकों के लिए करे जिनके माता–पिता मजदूरी करते है अपना घर खर्च चलाते है उनके लिए बहुत मुश्किल होता है क्योंकि इन लोगों के पास स्मार्टफोन, कम्प्यूटर , लेपटॉप आदि नहीं है । सभी स्कूलों में हर कार्यदिवस पर शिक्षा से सम्बन्धित मैटर बच्चों को ऑनलाईन भेजा जाता है परन्तु अभिभावकों के पास स्मार्टफोन, कम्प्यूटर, लैपटॉप नहीं होने तथा अधिकतर अभिभावकों के कम पढ़े लिखे होने तथा धिकतर बालकों के माता–पिता का वेतन कम होने से बच्चों को ऑनलाइन पढ़ाई करवा पाना बहुत ही मुश्किल हो रहा है ।

अभिभावकों का कहना है कि हम गरीबों के पास दोनों वक्त का खाना खाने के लिए जुगाड़ लगाना आफत है तो स्मार्टफोन के लिए 8–10 हजार रूपये कहॉ से उपलब्ध कर बच्चों को ऑनलाइन शिक्षा दिला जाएगें ।

इन लोगों का कहना है कि कोरोना का प्रकोप लंबा चला तो अधिकतर बच्चें शिक्षा से कोसों दूर हो जाएगें और बच्चों का उज्जवल भविष्य अंधकारमय हो जाएगा और वे रास्ता भटक जाएगें ।

शोध अध्ययन में प्रयुक्त तकनीकी शब्दों का स्पष्टीकरण–

– **ऑनलाइन शिक्षा**

ऑनलाइन शिक्षा को इन्टरनेट आधारित शिक्षा व्यवस्था कह सकते है । इस माध्यम से शिक्षक इन्टरनेट के माध्यम से देश–दुनिया के किसी भी कोने में बैठे अपने छात्र के साथ संवाद स्थापित कर सकते है ।

– **श्रमिक –** श्रमिक वे होते है तो प्रतिदिन मजदूरी करके अपना जीवन यापन करते है ।

– **स्मार्टफोन –** स्मार्टफोन उन मोबाइल फोन को कहते है जिनकी कम्प्यूटिंग क्षमता तथा कनेक्टिविटी आधारभूत फोनों की तुलना में अधिक होती है ।

अध्ययन के चर–

प्रस्तुत अध्ययन के चर के रूप में ऑनलाइन शिक्षा को लिया गया है ।

शोध के उद्देश्य –

शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के श्रमिकों के बालकों पर ऑनलाइन शिक्षा के प्रभाव का अध्ययन करना ।

शोध परिकल्पना–

शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के बालकों की मानसिकता पर ऑनलाइन शिक्षा का प्रभाव पड़ता है ।

शोध विधि–

प्रस्तुत शोध के लिए सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है तथा प्रतिशतता के सूत्र द्वारा शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के श्रमिकों के बालकों पर ऑनलाइन शिक्षा के प्रभाव ज्ञात किया गया है ।

शोध सीमांकन–

1. क्षेत्र – प्रस्तुत अध्ययन में जयपुर के शहरी व ग्रामीण श्रमिकों के बालकों को लिया गया है ।

2. स्तर– प्रस्तुत अध्ययन में श्रमिकों के प्रत्येक स्तर के बालकों को शामिल किया है ।

3. लिंग – प्रस्तुत अध्ययन में छात्र व छात्राओं दोनों को सम्मिलित किया गया है ।

शोध जनसंख्या–

प्रस्तुत शोध में जयपुर जिले के शहरी व ग्रामीण श्रमिकों के बालकों को जनसंख्या के रूप में चयन किया गया ।

शोध उपकरण–

प्रस्तुत अध्ययन में स्वनिर्मित प्रश्नावली का प्रयोग आंकडो के संग्रहण हेतु किया गया ।

सांख्यिकीय प्रविधियॉ –

शोध कार्य में विश्वसनीय परिणाम निश्चित करने हेतु प्रतिशत के सूत्र का प्रयोग किया गया है।

आंकड़ो का सारणीयन एवं विश्लेषण –

तालिका – शहरी एवं ग्रामीण श्रमिकों के बालकों की मानसिकता पर ऑनलाइन शिक्षा का प्रभाव पड़ता है –

क्र.स.	श्रेणी	बालकों की संख्या	बालकों प्राप्त प्राप्तांक	प्रतिशत
1.	शहरी श्रमिकों के बालक	300	235	78 %
2.	ग्रामीण श्रमिकों के बालक	200	110	55 %

उपरोक्त परिणाम से स्पष्ट है कि ऑनलाइन शिक्षा का शहरी क्षेत्र के बालकों की मानसिकता पर प्रभाव का प्रतिशत 78 %: है तथा ग्रामीण क्षेत्र के बालकों की मानसिकता पर प्रभाव का प्रतिशत 55 प्रतिशत है । जो यह दर्शाता है कि शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के बालकों में मानसिकता में अन्तर है । अतः यह परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है ।

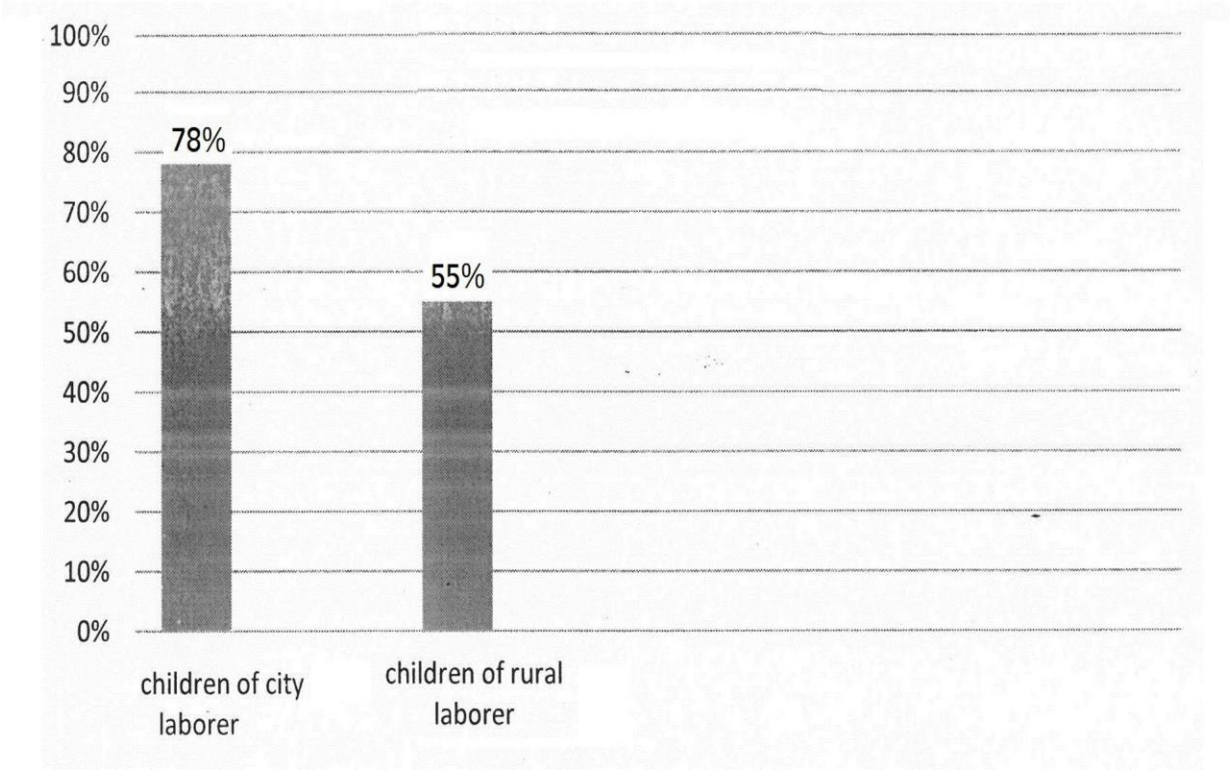

शोध निष्कर्ष –

अतः स्पष्ट होता है कि शहरी क्षेत्र के श्रमिकों के बालकों की मानसिकसता पर ऑनलाइन शिक्षा का प्रभाव ग्रामीण क्षेत्र के श्रमिकों के बालकों से अधिक है । शहरी क्षेत्र के श्रमिकों ने बालकों में ऑनलाइन शिक्षा का उनकी मानसिकता पर प्रभाव का ग्रामीण श्रमिकों के बालकों से अधिक होने का कारण शहरी क्षेत्र में ऑनलाइन कक्षाओं के उपलब्धता सुचारू रूप से होना, लोगों की जागरूकता आदि प्रतीत होती है ।

सुझाव–

अध्ययन से प्राप्त परिणामों के आधार पर ऑनलाइन कक्षा के सन्दर्भ में निम्नलिखित सुझाव प्रस्तुत किए गए है–

- ❖ यह परिणाम ग्रामीण क्षेत्र के श्रमिकों के बालकों को ऑनलाइन कक्षाओं के प्रति जागरूकता के संकेत देता है ।
- ❖ यह परिणाम बताते है कि ग्रामीण क्षेत्र में भी बालकों के माता–पिता जो कि मजदूरी करते है वे तथा अध्यापकों को भी बालकों को ऑनलाइन शिक्षा उपलब्ध करवाने के समस्त प्रयास करने चाहिए तथा उनकी मानसिकता में बदलाव करने का प्रयत्न करना चाहिए।
- ❖ ऑनलाइन शिक्षा की उपलब्धता, माता–पिता तथा बालकों में ऑनलाइन शिक्षा के प्रति जागरूकता आदि ऐसे पक्ष है जो बालकों की मानसिक पर प्रभाव डालते है । अतः इस ओर ध्यान देने की आवश्यकता है ।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची–

1. स्तुति मिश्रा (2020) झारखण्ड सरकारी विद्यालय
2. विपुल पैकरा (2021) रिसर्च सेन्टर
3. अमेरिकन एकेडमी आफ पीडियाटिक्स (2020)
4. यूनिसेफ (2021)
5. कोलकाता रिसर्च सेंटर (2021)
6. प्रोफेसर सहाना मूर्ति, आईआईटी बॉम्बे (2020)
7. From Orfonline org. deliv.
8. Shodhganga@Inflibnet
9 hi.m.wikipedia.org
10. https.//www.reslearchgate.net.